

20/7/15 धार्वी / कादी साजन पुत्र निम्ना जालि केसरत गाव
 अस्तुत पुत्र तसु मसुडा स्वयं उपस्थित होकर विवेक विद्या की अलग
 धार्वी पत्र को अली नही चलाना चाहता है अति. प्रा. पत्रकारिता
 इसी स्तर पर शोध कर खारिज किया जाके धार्वी का विवेक
 स्वीकार योग्य होने से स्वीकार की जाती है। क. प्रा. पत्र विज्ञे
 करने की अनुमति दी जाती है। प्रा. पत्र इसी स्तर पर खारिज
 किया जाकर पत्रावली फेंसन शुमार होकर नम्बर से कम ही
 वाद पक्षर दारिदल हो।

J. Au
 उपस्थित
 धार्वी (धार्वी)

विचारणीय
 पत्र पर सब
 कादी कार्य का
 नही चलता है
 प्रा. पत्र वि.
 करता है।
 स. ज.

